al Haque त्रं क्रिल (धर्मा क्रिय क्रा क्रा

क) चकक संस्क्षिय सामी

में असम् व्यवस्थां त्य ३ असिकारिक टाव्यास्ट कर्छा द्वे कर्

भी (एडजाशुक्तं भाष्रीक्ष आमर जिस्मांत औरप 3 विश यरक्षेत्र क्रि

ह्या सार्यामी आयी

दुउष: (भी

काम्माः [बाष्ट्राम ५०]

ग्रह्भाय प्रंव (माम्र व्यक्तांन भ्रम। मिन्द्रिक (प्रज्ञाध्रिक् भाष्र) (र व्याध्यां व्यक्तांम श्रह्मां ३ (व्यक्त

2/ Hydra निष्विमा अर्वेष्ट्रम २३माव काव्य सम (कार्नी?

क) जिस्ति अद्विच क्रांति आरी

ण्य) ति (व्यक्षारेटे चेलक्ष्

य) शिक्षितियम देलश्चि

रा) खिलेपस्या चारा

दुक्षं : (य)

कान्मः [खाल्स्य होत्।

Hydra अवस अव्यान क्रांस्त वार्ता भ

() पिश्व (यापि द्राक्षण हिं को में क्यांव क्यं का आ अ अमं ड

क) स्मारे निकल

मा याम गणि

ST) वास्थि3त

ह्या निम्म व्याम

देउवः (रा)

ক্রাণ্ডা: ক্রিজেয়ন 208]

त्या प्रवेषु (क्यमिवं अवत्र 3 यां क्यु क्यमिवं क्ये स्ट्रापृक्त गाक्। सिरिगशिंगांव सांत्रिकामर्गाणा व्यांगवागुल्हार्य व्यवस्थाप कर्त वर्द विश्व

क्ष भारक । हर व्यापमं (महापिशिक्षिक स्रेयं स्थावंग कंगित खंद क्र्युंग सहग

हुउव:(जप रू) र अ० थे। ८ यो १

क्राज्जाः [आक्स्यन (१६)

अभिक्ष र कार्षा को कार्याचा अ अभिक्षा को विदेश विराज्य समिक्षण को द्रिक्षिया व्यक्तिक क्ष्म पिर्धिक हम पिर्धिक हिंदू राद्रमिवण्डि। भी (ज्यान

গ্র) পাথু ডিচ

मुख पुडित : (गर)

कामणः [व्याकहाम ३०]

(बाक्मिह्मारा धा क्ये अभीर-(अमिकवाणिव हि वाःश रापा

क्रीलमाभ्र, कालम, (वकरोझ उ नाथुकिम।

भ्रामिलिक्ष्मान नामिका (म्रह्मित्रेव्रान् व्याः भा।

म् वन्त्रमास्व इतिवासिव क्रिय क्षिया स्थापी राष्ट्रिय भंग ड

क) वक कि विश्व अ

भे वाजीय वाप्र्यिवश्याय गार्क

य) (कार्या दुध- जिलाम) गारिक प

हा) इडिन्नाभीएं काता विल्लिक सुव भाक ना

विष्ठतः (५८)

कुभ-लेकाम गाका कानगः [व्यक्षियम २००] केनुसाह याद्यस्य व्यक्ष्यम् न्यक्ष

भ केनुसार्घ व्यांद्रियां विदे यात्रावाक कनार (पश्चि क्यं)

क) क्या उ अनुम

न्मे अभूत्री 3 प्रयं

ष्ठ) वर्षा ३ भीव

1) अभिम 3 अपिक

दुउव: (ग्र)

गाणाः [क्मिक्स्रत ३२४]

यात्रावमक प्रमेष्ठिकाएम ३ मिला किन्द्रया छिंव क्यांक क्यां विस्म विस्म इसे।

२०/ (काम आन्त्रमा आहरू क्रोड संवित साठाता) कर्ष ड 10 (D 到如洪 न्म) (म्याप्त भ) श्रीम् दुउव: (२८)

कानगः [ब्याव्यक्षण २८८]

वका अन्त्रा केंग्र शहिष अर्थिव अस्वि किष कुनियं सिक कुरि क्षा १

उन्नामि आना धाहिक दुवर् 3 पिएं एकि एएए थिए के सैंव क राजानी करिं প্রা পামনা মাহকে মার ইবনে ও মেমে মেনে মাতাম্য অতি 1 পার্স পালাম আতারিত মহল ইফ্রিন আমকে যাত্রাম করে। २०/ थिएवं व्याप्ति यायमहिः ववं वेरियमकविषं काःम चर्म र

क) श्रीयाभग्र भा भूकताति को वि

Thatpoles (12 श्रेक्षप्रितः एउवः(घ)

कामणः जियहम्म .. २२७,२२८]

Thereties restricted a military औस्त्रापु ग्राहणाहि वं सुक्पर व्सिंव काम।

ग्राप्रकृतिः वदं भीः प्रमाविष्यं हिं वाः भ व्याः

CHIMIT - MEDICALE PRINTED

भी कार्यासीम स्थिनिया हिस्स्यक्त क्षित्र क्षित्र क्षात्र अमा शहिल क्रम

क) भूरोभिडम

न्मे दिशालाब

भी हिलसिय

देउतः (क)

वानगः विमायसम् ४०)

मत्रिया तव सिताप नाम कर्त केंग्र कामियां यामिलान । साम्राज्यक हिर्माविता

शूरीविश्व नामक क्ष्मव्यक वाष्ट्राय्निक नमर्थ थाएक या जन

आभूष भ्रिपादं यमें य प्राप्त समिवाव (क्राण द्वाराव आभूष भिषाव

यतं गाति हिर्यादा भेट्रामुद्र भार्षा

३७। निष्व वामी घाषकिः वर साकारेक अविविक्षां विभिने

ক) মিষ্কিত আলোভে অতিবিদ্ধ সাঠিত হ্রা

भ) क्वम जिसेक जा लाक किसी अहा दि प्यार्थ अंकियिह अर्थि कर्ष

ম) ক্র্যির মহর্মণ জ: ভিও মাধ্যম্যক অক্রিথংশ কর্ম

हा देश हिमाण ३ काइ रिज्य व्यावयभी ने व्याविक ठंग

<u>दुइव</u>ः(लर)

वान्याः [बाकसम २०२२]

के जा ३ थर प्राध्यमी राष्ट्री श्री आवि अद्याप अविविद्धिक ।

(यिद्याय 3 व्यार्विस व्यावदास अद्यावित उद्यो यायण दिः वद

(प्रारतिक अकिविह्मः देविकिम्हे)।

अध्याप्त कि वर्ण ? अश्वाप्त्रमात्र कि वर्ण ?

क्रेडिं: (ग्र.) क्रोहिंसिंग्रा यें (लेपालिक यें) क्रिकारिंदि

कान्मा:[कालस्य १८६]

स्मिप्ट विस्ना हिंदे हिस्माहा 3 श्रीसमे प्रि: योग यिस्मा (य

(स्राक्रभाष भारति कर्माहित अधिषय दिश्मेषा दि कर्म्

प्रमिव विद्या वार्ष्य विद्या व्याप्ति विद्या विद्य

38/Hydna-प्र मूलि: कत्तित्व रेपिकामे कार्नरे?

क) आप ध्यक् आदि दुवदि दुवि व्यक्षि

में व्यक्त रेंस्क व्यक्तिस वार्येस्व क्यं

में नक्षांव स्थार प्रारंव दुर्गियं होराम र्यंत व्यक्तिस करि

ह्य) किष्टिका प्रार्वमा अञ्जित्यव निक् भाक

काभागः क्षिणकातः १०]

HAqua-त्व प्राच्याः श्यापं द्वास्त्री राष्ट्रा -

× लार हाकि क्यामा आदिव देलाव देले जाह्य ता।

* (माएक मिर्डिक जार्डिक मृत्यु जार्किस कर्

* प्रसी दंग्ने व्यक्तिकां क्या वर्षेत्र इंग

* किंका उपना अिल्लाम् नित्र कारक।

३८ पिरिंव कापाद क्रियासिक ऋरेक्षियं कार्स यमंड क) आर्रेनाय (ब्लायाय भ) वासाय जारी विषयाय ग्री ला दुमाय ঘ) ভেন্নিকন

क्ष्यः (जर)

काभाः (जाएसम २२८)

वानुष्ठ जारीविवक्षां कृरिक्षा (इव क्या नित्व (काम ज्या नि क्राहिल (राक् मिर्म क्रिया क्राहित क्राहित क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया 30/ पिश्व व्याप्ति यारण दिः चे आर्मे अद यमें

वारुय (क

भ्र) मित्रूमा

ग टिविमा

ष्य) रेर्छाप्र

कुछ : (नर)

व्यानगः [व्यालस्यम् २२]

याय म्पिट व्यक्ति था आंट नाटन विद्यक्षः

क्का) (मुकानीव, स्थाव, दिशम 3 दीस्थि ।

व्यम्। स्विया यातिव जास थी।

विष्येशाह्य ज्यों रे स्विव काल नम (कानि?

क) गए विभेशाम शिक्षाम किया स्थान स्थान किया विक

को आयुव कश्मात्म प्रिप्री

भ) म्परित हास्यं आपृष् प्रक्षा विदे यात्

म) वम्प 3 वृद्धिश्व निर्माय वृद्धिका

देउवः (अ) गार्थाः [जाएसम २२६]

ब्या, दुश शाहि व १५ पंच दारां आर्थि वात्रा क्या कि या का का

कर्व ।

क्री राधम्पिट्ट वं वें त्यमंवर्षे दुर्गतंव व्याप नासक गाकि य) २०४ 可)9年 까 6-1 भ) १स कुत्रवः (स) MEDICALL & (IN व्यानभः [व्याप्तस्थय ५८] वैस्रेष्ट हारायहिं वं दुर्पसंव प्रवश्च अन्ति और राप्त विक गिर् 20/ तिक्षा एमित्रिक्टिव (काम उभारि क्रूम? क) स्वकभूक लाभाकाव भनि विस्निभ क्री स्ट्या शालकाशिशसित एतं अक्रिक भ) Pury 3 न्याकर्द प्रचि याठामी वर्ष हुउतः (ज्या) हुउतः (ज्या) द्रश् : (तर) वानाः विष्ठात्राते ६१७ (में आदी हिस्से ने विकासे) भूता क, भ 3 द्या तः वह विका आन किन् भा वर् विभिन्ते हिं निल्या मेरे विभुद्धान । (महातिशिष्टारे नियरिंग कारोरिन निर्मिण। 59/ पृष्ठ व्यापट के इस्प्रक्षं क्ष्यका व क्रिक स्मार्थ प्रां क) रूपाम भीविषठ एम अविमास्टि ज्ये रा ज्यांच ६ व्याहा अ) क्रुनकाइक ज्यानकश्राता क्यां अति निर्ध अधिक হা) ফুনকাত চাত্দিকে পৃথক কোনো আবত্ন থাকে মা दुउव: (३५)

कारमाह्य क्रिक्स २००१]

अह्याप किंद्रिका आणा किंत्र भा उं इंद्रिका अधि (गिष प्रःस्वे उत्तिमाप साय्येष्टिः व्यं देग्लासि

ক) করপোরা অ্যানাটা

্শ্য কর্পোয়া কার্ডিয়াকা

Par least the cate

श) रेनोन् (प्रविद्यात

ন্ত্রামেরায়ক

रेउदः (ग्रा)

काल्या: [व्यालझन ३३६]

लाप्य कर्ष भा। उत्पर्ध भि:र्सेक उर्देशाम यायाप्यहरू चंव एलायित स्त्रिम स्थिका याये (स्राक्ताय) ह्मक अर्थे 3 क्ष्रालावा क्योणाद्दी कर्ष्ट्र विश्वका यायाप्यहरू चंव ४ त्रवंशिय -क्रि. अर्थे अर्थेव याला उन्द्रीवंशियवृद्याम

२७/ ति एवं कार्नारे निर्द्याल (क्रांच अयोका ?

क) र्वपाकी व्याप रिर्माध सरस्पेप हिंच

को सेलामें खंच राधमं किल्लिकों योधिक अविकल्प रादि

यो स्वानिव्य रिंग चित्रवार्ग व्यविष्य उर्ग

त्र) भिथाहि व्यायविव दिन्या मार्ग

दुउष:(नग्)

वाक्याः [जाक्यम ३३४]

स्नाम्या चवर किए। प्रशास्त किए किए क्या । १ असिं के के या उसे कि किल्लिकोशकी पार्वा के किलि

58/ व्हिब्ह्मान व्याद्यक्त व्याद्रे यामं ग्राप्ति कि हारं यादित याः भेडः -परिंग ड into the man of the ক) ক্রপ্রনির न्ये प्रंप का ম) অনু: কর্শ कुउवः (१८) प्रमे - किंग्रिक्शप अवडी व्यान्त्राः [त्राव्याप अवडी रिन्दे भारितं वार्रिभाष्य कलवैष्णा क्रीय व्यक्षि प्रितं याप्रमान्ति মেও ছে(পুত হাজে রাজ । কলে অফ্রিকে কার্ণিক কে(খ্রুয়াম **মেড্রিক্র** রামে। 50/ लार्डे क्षेत्र केंद्विंग्ये क्षित्र किंत्र किंत्र किंत्र ম) গ্রেচ্যকর ম) গ্রেচ্যকর ह्यारने ह সিহিটি মিক কিরাতবি দেহের ক্রামনের তাংকি গৈকে হায়্মুখ কার্তিনান শিলা ও জুগুনার কিবা বক্ষ বংশক क्रिया ३ क्रियेणांचे क्रिया वंस याः वेर कर्ष शिवारिनयं क्रिये के क्रियं कि तुर्भेष क्यं। वार् व्यक्षेय केविकित्व शिवविषय व्यामा २५ निष्यामिदिव काफ नम (कामिटे? क) भ्य(५ यहांम्य भी व्यावेष्ट्रम आप्र(त त्रवांत्र याजाता य) त्राया याजाता रेडवं:(डा) भारतार क्रिकार क्रिकार

५०/ (अशि किर्यमेश कार्ण कंद्रमारिव कारणे आउमा यांगं क) अस्थिकार को दिशाश्राम यो अपूष्य हो छाउँका <u> हिडें</u>छंड़ (लग्र) कारणः [व्याक्ष्यम ३७६] खि आहि जयकांता प्रथा विश्वाभंग अद्यां प्रिट दुर्गणीं अक्टिर्घं लिह्द आर्मिछ। विद्वाभग (लिव्हि) निमाक्षिण खोक श्विर्धार्किक्षेत्राम पिर्म (म2 श्रामित्य स्माता भाव । इस्र पिरिषं व्यापद् यक्षित्रियं द्विश्वामी डं क) (कांपंरिंगत व्यर्भेलहिंक न्त्र) स्वक्रिक चक्नुप्रवेषचं अश्विष्ट्य यात्र करि यो काइसिम कायवंभी चकाद 3 (आण यो देल विस्था प्राध्यक्त किरे दिक त पिएं जा 40 चारणः (व्यापस्यण २२०,२२२) स क्राक्ति किन्मिकोर्गाण र्पा अत्यक्तिम स्रेह क्रिक्रम न व्यक्त मिल २/ (कांवरंगत व्यर्जे अर्थेक PIECE FOR HISTORY ७/ अर्र जाएग उ दुल्हें जाएगित क्य सरंपरं सिव्यम सावित्रम सावित्रम सावित्रम सावित्रम सावित्रम सावित्रम सावित्रम

क्षे क्राइ किम क्रायेष क्रायेक के प्रस्थ

· 나도 로로라는 마네아 · 그리 역 보고 등 하는 한테워 (1867년)

२२/ तिर्ह क् कार्री Hydra यव व्यवः कामीय लिवलाक्वय (क्रांक প্রিয়াক্য

क) (मया अस्त्र काता अस्त्र वा अतिव क्छित उत्राहित यम ন্ম) মৃদ্ধত সাম সাধ পর্মধ্য ভিতর স্বেস্ট্রাম ক্রি यो व्यवात प्रमुं प्रित्यु भाष्ट्रियर विक्रिय क्र य) मामेक्षे संकारतिये आश्रीक्ष अधिवाकि सं द्भवः (गर)

कामा: [अध्या १२]

असित क्रेंग ह स भरं किं कुलिमीसर्ड क्रिक्षिण असिला (क्रें (মতে অমেকা।

को स्पृष्ट । व्यक्षारे र्येम्ब कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य करि तेक रिक्निमें) मिydna अन जानः (कामीम पाविकारक द्रार्थ প্রামাজ্য

१००/ द्विमा क्रियाचिति त्याभाम भार्कः

क) ब्राहुव्र श्रीत

भ) (म(मिसिसेम

ম) আহেন্ট্রিকুলাম

म्) भूतको निया । जा निया ।

देखवः (क)

[Michigally] ग्राज्याः बिलाधिया २०८) का स्वार्थाः विकास कार्याः

Billing (1) Pine Die 1000 नाभुभित वा प्रमुद्दम भारति देख्य जाका (भोर जान : वाही (वर वर्षि (थित्रिमाश्च अर्में वर्षे कर्म त्या वर्षा वर्षे आद्य अर्धि आद्य अर्थि। अठ ताझ (सिट्रेग दिवाविति ।

TE ESOI WITH COLORD & THE WAY THE POPULAR

০১/কোন প্রকাতির হাইদা সাবুদ্র বর্ণের হয়?

7. Hydra rulgaris

St. Chlorohydna Vinidinsima

St. Pelmatohydra oligactis

ST. Hydra gangetica

না পার্যা সার্ ব্যান্যা: [র্যান্থ: আন্দু ক্রান্ডরামুন্ র কা ক্যান্থরাষ্ট্রন্ : ৫৪] ক্রব: ন্য

यिनेक्राम ४० ठाळाव स्वयक्षित मनेक्ष आउगा गाम ।

Hydra Vulgarin वर्गेरीन वा शुरू वा रूपूर वा वापाझी (भाष्ती आक्रा

विश्वमा मार्म (प्यामीम)।

Pelmatohydna oligaetin मामक जामाकी वर्धन,

Chlorohydra vinidinsima नामक अवूष वर्तन प्रवः

Hydra gangetica आमा/(आमा भी गर्भत यारेष्ठा

वाः ताएम्बर्गः अभिगा, रेप्लाल ३ व्याह्मविकाव आप्राप्तिव

त्रणाअपि आउमा माम।

02/ उकिर अविभाग Hydra-य (महत्व स्थानक क्यार बाल <u>কো</u>ম <u>কবা</u> সাম ;

भे०८(म्ह स्राप्ट म्हार्क

नुद्रव: (जर) तर्द थिकी र्थ: तरी

णाभा : नवार अविभाव Hydra ना (मर्थक क्रिसी खाल खात क्वा याया () यारे (भारिरोध () परकार () अभवता या आम-काकार्ष 06/ Hydna-पत्र अन्त्र कास्य कामविष्ठ जानुनाहिए जानुनाहिए?

ক) পদত্র(ম

ग) यारे(ला(ध्रो(भ

ण) कर्मिकाय

दुउष दे (य)

GE SELECTIVE TRADUIST CERTIFICE BY ব্যাদ্যা: [আমেমার্য ৫৭]

Hydra-व अञ्चिकाम विश्विभुदार सूचि (कार्मा कोंक कार् (अवसीप कर्ष । चर्रीश्मिष स्तिमी सैप्ति ३ गर्जुल्यासिसि सवस्ति (यिन, अम्बल कम वक कर्मिकाम ज्यानू अस्ति ।

guerra whata want or one of

(१८) क्रिआकिंव इन्हालुस (यक प्रेणकाम वस स्वेपवाय कर्त-

क) (उद्योग न्या उद्यो

भी र्ष्याम जाउरी न्याह स्थान निर्मालिश

भ) यावक्रा (हिंगा स्र सम्

य) यि लिए। (क (अर्धि के ध्रमीन

उद्भः (क)

िकारमा २२१]

नाभाः प्रथव वक्रवाहिका ऋडिलर (थ(क स्वाहिक वक्र यूर्निकाम यविष्यार करि रित्यस्थारक व्यन्त्राम् या क्यामारिन चारिक्याम निया वला करेमाए एक्निकत एएक एक जर्मम अध्यक्षित वा एक्सीन क्या उत्ति स्टिन स्टिन

एया न्या अधीम अग्रिस् मार्ग एहं मानिका विक्रि द्रावक्षा क्रियां सम्प्रित वक्ष-आभाग ३ वक्ष हाम्ये पिएक विश्वे द्राय ।

(अ) (कार्तरे स्मार्श्वाकलाक अर्विकिन्छ कर्व वाल्या?

क) हिमिल्मा

ন্ম) (এয়িট্রিম

ম) বেবিট্র দিক

य) रेनिमा

दुउष: (गर)

अनगः (जातश्य ३०६)

প্রত্যেক उक्षामे विक्याकार कि प्रिक्रिश्च प्रवर (लिविद्धिक्र नामक कारोधिनिर्मिक श्रामिक लामिक लिविस्थिन

अक्षिम अर्थ क्रिंग अर्थिक क्ष्म याराणहिः वच प्रिस्प्रिप्

क) खूष्यारेन

न्मे वक्तार्ड्य

2D (31) Ju

গ্র) সোনালেট্রফিক

दु इव: (भर)

वाभा: [व्यातिस २३५]

* अकलारेशन श्वक्षान अक्ति रात आनीव निर्धांका अतुर रम

* पुरमारेत श्वसाम एएएव णाङ्याद्याविक प्रुव स्पित लिख्य कर्षा।
* भाग करणात्म —

* भ्याम इंस्साम (माउव देखि यहांन

स्थाप्राताहे शिक इवेश्णम मा यान व्यक्तिक क्यम आहिष्य

७०/ घाराकिः वर् केळवाठ निर्धाप्त घटे ? 4)2 200 ZI) & 8 (75. दुउवः (घ) वाभाः (क्याचिस २२४) प्रस्म (म्यू र्व्यातक्ष (लोहात यारायहिं वर्ष याम नैयारा राष्ट्रंस पाहा न्यार (आरे ऑहवांच मिसिशिय द्यिए)। क) (मर्द्धतं व्याकावं क्ष्रियाभ इसं क्रे करम कामास यामासी यम सावन कर्व य) खामा भव्यांभ ड्या छ्यानका अधिलक् दुउव : (कर) काष्णः [व्यातिद्र २२१] ं विश्वाति । द्याराष्ट्रं जेवं क्षणामित्वं द्राहणी के एक स्थम क्योकारिन वामासी नाम आवार कर्ड । (१) कल इसरम्य स्र(४) ब्रेसे विस्तिमात स्थाय क्रांगास्ति श्रम प्रमान भिलायागुर समिर साम्रीक <u>कार्क</u> जिल्ह्या जिल्ह्या जिल्ह्या अ क) अकिन

अपूर्वितिन अ) ित्र पित क्र हार्याप्त (उद्भेव: लग्र)

कान्ताः (जातस्य ५८) ८० छने। वा मुर्रिफित् इर्था रेने। विदिश्याम काथ काना अतिव उति प्रवेप पिलासाइका रेक्टिंव साम्राक्ष प्रक्रियोशिक कंगे।

80/ यासकहिः चव मेपु स्माम्पंत अभावम् एमाएक कि वर्ष ?

क) रेनधीव

५) रेन्टेर(एम

अ) क्रांग्राकाय

या चेतिआ

देउवः (क)

क्राज्यः व्याद्यस्य अह

र्मित्रं राष्ट्रियं राष्ट्रायक्ष सम्मार्क क्रुपत्रीयं वर्षा । व्यवास्य

হতে আম ইমান মহণ্য আথে।

82/ तिरुव कामरे अभिद्वाव (क्रांत क्रांत क्रांति)?

क) हिल्ल झाठात्रों स्त्र की वासा वासा त्र) दिअश्विम हिरिय्य कान्मीमिक हो लिहरियं वामार्थ सिर् मेदारिम मास्य ह्यवं : ६१)

व्यानगः क्रिक्षित्रस्त १२] वित्ति राम अक्षेत्रकाम याम देवक सायाम क्षि मा किर्यं देव वात्राकि (एक प्राल्ग। क्रिमाक्षवं दास्ते विहासंव व्यमाकारा अक्षतं यमांच पिष्ट मेहासा मारक।

82/ वर्जिन अनं अनं मिनेपाय-मं प्रियं द्वारा (काम रेनीविदिनिग्नीम क्षित्र सिर्म स्विक्शिक्षिक डिंग ड

क) ७० फिर्न ५० ४० फिर्न इ) १० फिर्न

कानगः (काद्राय (८८)

अधि ८६ पिन अव अव भीपुर्वणव-ए (५१२० द्वार (कास रेने।विधिकिश्नोज (काम एटिंग अक्टिकी अव उसे।

र्रोनार्रीन अकि उ थव रिप्त करंक आकं उ कि। व्याप स्थित आक्षियं साहित्स कंत्रिश्च आप्ति प्राध्माम्य

क) निष्टे(साज्ञाधरे

স্প জারুনি

अ) (व प्टिरे

ह्य) (माकाय वा निर्देशियाय

देउवः (क)

काळाः [कातिस २२४, व्याकसम २२६]

(क) आर्थिक । अक

आवक्रित क्रिश क्या का कार्यित विका क्या उसारी उसारी क्याला क

रा आंद्रिकोश प्रत्न ग्या के से से के व्याप्त ग्राप्त ग्रिक प्याकात क

88/ एक्। क्र क्रिक क्रिक्षित नाझक पूरि यह क्रिक्षाव क्रिक्रेस क्रान्ति क्र

क) लग्रेमिश

ण एडिन्रेकन

প) द्रारेगाय (ख्तायाय

ঘ্র) বান্মায় আর্টারিওক্সাক্র

हिउप: (न्य)

वाजाः जाक्सम

प्रव क्षिणं शिष जामक टार्क्स के किर्ताय विश्व प्राप्त शिष्ट

80/ तिर्हत कामि शरेपाय जिम्हाक्ण ban ? ন্স ব্যেয় क) यांटी

देउव: (अट)

ব্যাখ্যা:[আজ্বান ৭৪]

भी (ऋषाता

TREE INSTANCE SHORE प्रायं अरुपं किंच उउमा वेरवेर शिणिरिंग (अएम Haqua-à (एउ ह्मां क्षेत्र के वासिवं प्रिकं क्षि किया माम काक्षार किया माम । এमेर Hydra-व এक ध्रवतिक व्यक्तिकाक्क ban 1

ঘ) ফ্রাতাত

८५ क्रेड्रमाह मूलकाहित अग्न श्रावाका नाक्षा पित्य हाकति विद्याप काया कर् (कार्मी?

भी मूनका और विशेष कि

ग सिल्लाया किया-

লক্ষ্যাৰ্থ (দ্ব

काम्याः [व्याच्याम २७७]

LAZO MISINIES CURIO अमिरिएं भार्मेनाभीत भार त्यांत कार कार कार में कारण किए स्रष्ठाकी अभिव्यक्त माथिक कार्यिक्षिक क्या प्रमाल कार्यिक साला। अपन्तक मूलका व्यक्ति।

र्रेणका जाएं व क्वितिंव एषि सम्युष्म सामुक कामुक कर्ताकाद कांक्षे ट्रिष्ट क्या नत्मं क्रिकार दिकार वर्ण । नभीं आ क्रिका हिल न्त्राम) व्यक्ति याश पित्र हाकति विद्या काक करि।

BAS-JOUR

The U

80 कंग्रिमाक्ष्य आज्ञ-आल्या क्यंह आल्या विश्वास्त्र ? かからしかる ある ख्य) २८-२५ रि ST) 9/E

दुउतः (२८)

चानगः [व्याक्ष्यण २४८]

आरो-आनमा विध् आने चिसी मेर जा सहिए स्वारि रास्प সুদ্মিত বাদতে ব্যাহ্রাম্য করে।

वक्र-यानम २८-११६ यानमा विस्तिते । स्मिष्टि यानमा अह यानमा-विस्ति में ३-। विम्री-वालमा २६-२६६ व्यालमा विम्योति ।

86/ इंग्रे आहर्ष अभिर व्यारेशन क्षान (क्यारे (एन) याम ना?

क) यशीराक्किय वर्ष क्षानित्र करा आमिश्वर किया

ম) শ্লমির

ল ভারত (ত্র হা) পদ্মাহকিক

FARE LUKELING :

दुउदाः (२८)

काष्णः [जारासन ३२८]

EXPERIMENT FROM THE या अहिल क्या हिम (क्रा यार्ग।

(ii) यहमै ग्रहार (iii) अभीर(क्रव (ii) अर्म्श्वर (ii)

र्मानक काला लोगाह कामान क्रमान कर्मा निर्माण कामा

relia sour please your first they return miller from

क) अर्थियक कायहों नाम दुशाला. हारम्पहिः ववं प्रश्लामी यंगं डे

थ्ये (क्रान्तिः इति

অ্লিক্সাকৃত্র বাহ

ह्य) राष्ट्रभी उ विकल्पिक

दुउव: (जर)

वाभाः [जाकश्रत २२१]

(८०) क्य जालशाबाक्ष पृष्ट क्ये शाह याट्य वारिया । प्रिक्ष वर्षेयां क्ष्मण (त्राण्यरा शाश्य या स्मिण्टिं सिंदे। वर्ष्मण साराणिंद्व व शिण्टिं सिंद्या। क्ये (म्) स्पृष्टि

です) *** 28° F

28 K

ST) 28°C

ब्र) o°c

देउव: (भ)

काणाः [व्याकदान २२७]

कार्रह्माह १६, त्रिण्यिये क्ष कार्यायां यूक्क कार्य था।

(LE): DEED

क्षात्रा : जिन्त्रहाम व : १८)

र्रातिक' मा व्योपण सांवष्ट्र भारत अविक्रिक। उठ्य (प्रज्ञ नान्तिक्वं दुरमं आब्धि जयदि यदि (हाद राह्यदा व्यक्ष सारण्याद्वं चंव किता व्यालक्ष्याक्व (हाद क्ष्या जवद क्यायादि (हाद हमा) स्रोप्त सारण्यांदं चंव दुयंव (भाषायांव 3 प्रस्थित । क्ष्य स्रो

मी यारामाहर व उदिअखिदेव यासक कास्य गरिक।

०० वारण दिः व कि विद्याशिति । यो रेगिर को स्विमिट ।

ক) (পবিভিমের)ন

न्म) (अधिकारियान

अ) (आलिने क्राव

ग) (अधिपिनुयाम

दुउव:(३०)

। किल स्वाहितार ने क्षेत्रकारिकारों [१००८ - व्याने कार्याः

द्विकिकारियान, त्विविद्धियान ३ (विदिन्दिवान ।

(क्राविष्ठकेपाय कामार्ड के सीक्ष्मपाविक करमा । (क्राविष्ठकेपाय कामार्ड के सीक्ष्मपाविक कामार्थ

क) अस्माश्र

ज्ये अध्याप

刃) 对亚出行

ह्य) (ज्यवप्रसाय

30: (2L)

णिकाः जिल्हा नामकाम् । १८६०

र्जे व्यमकाबिं का, श्री अमेस्याप्त की व्यमकाविं व्यास्त्र। अम्यस्त्रों भैम्याप्त किव्यप्ति राज्यप्ति यहिं अस्यापि क्यीला (०५/ थिएव धापाद सक्षिकं

क) रिद्रा (आमा – रिद्रा (अर्क क्राप्त) मिर्जिंख मार्ख रि्ण १२ दानी मार्थे ह

था) धारी (लामा - अित (भार्ष ७० दिन लामेन

ম) বুল আছ – ৫০ দিম প্র

ह्य) ज्याष्ट्रमृति र्लाम - १२ घनी र्थक ५ फिर

उडव: (क)

क्रोन्गे: [व्याव्यक्षण 585] म्क) स्पृष्टिक देखव

सामी रिवामांच व्यासकामा वर्डामी रमदिक मिर्म

कर मार किए अप कार्ष्याम लागाय कार्षिक अधिकार 3 ज्याकार्व लिक्केन छाएे।

काक्ष्यि (क्षाप्र) होत व्याहर (काक्ष कार्सिक कार्सिक व्याहर (कामा

(१०) उथा द्विप्रमिक्षिण प्राणं प्रशेष विविध्यम समि रंगंड क) (ब्रोटिमान्स (काञ्च

आरेविस व्याववन
 क्य) किड्योला रेन (कान

द्रुउव : क्राम्स् (कर)

व्याज्याः [व्याप्रक्ष ३३४]

क) (विद्याप काम (काक)। विद्या प्रह्म कहा काम विद्या काम विद्या काम व्याव(यद्भ आ)म कर्वा

क्री इतिक

2) कार्क्यक क्यावरंप शहें का (णांत सत्मास्त 3 अव कालांत ब्राह्मिक इस्म मिक्षिक अमिर्क स्वायिक करिं।

म् कित्रीतारेन काता जाता काताकार्विक श्रविप्रविक २म।

७०/ व्रम्यू म् स्रिक्ट कर्ष शहेपारक लागरि आहेर कार्नी? क) रिवास्त काठांवर्ण काम न्म तिलाया बेटे গ্ৰান্তি(কাদ य) रेनी विष्टि निमात काम 530: 21 विभ्याः (जाकहान ५७,५८) क) (अश्वि क्याववं प्रमास Pby 3 श्विकाति आज्ञा कि वर्द भैयार एकिका भागम कर्व , न्मे (म्(क्रिक्सार्डिट नेग्रास) येडच भ्यम ३ व्याचिक्यांम केवडिक इंग्रा ग) अच्छित्याम Hydra (क ब्रायुम स्विते कर्त्व खायरा साथाम कर्त्व। यो उन्होंविह्यिक्षिमाण (काम वैपरंत्रवाह) विदि येषि येषिणभभय चितः व्यापाल कितिक विश्वका चाला। १० में यांत्रमहिं वं दुर्गिम व्यक्ष्य क्यांदू रक्षाद्रंगक्त व्यक्षिं x) b . 2)50 BURELES दुउव: (स) ব্যান্টাঃ [আক্রধণ ৩৪] द्याराम्पद्धः वव श्रीयवस वा स्मार्वाकण प्रिटव दुवत आसि शिए ३०(यांच रेप्टांता वक्त्यें ज्या व्या आर्थियं दुर्ग्यांत क्रिक्षण जावर्थेक। एके (क्यांरेकाव काक यम त्यापड़े ? क) गठ विक्रियान श्रितकार वाक व्याचन प्रान्त कर्व क्री अध्यक कर्माक विभूम क्र) व्याप्त कारण आयं वास विस् कर्ष रा) वमरा ३ विद्विशव विश्वीतां दिशिका 平34:(21) ब्रान्गः [ब्राप्स्य १८६]

क्षात्व सकाम अधिव यात्रा क्षाति यज्ञांक करंव।

087 क्रोमाहिव अल्प्नाम्य क्रिल क्रामि क्रिक क्रां? क) प्रमायाय दुलमें यशेष का प्रथ त्यान्यरिंग विशे हार्दे थ স্ এদের পরিমান প্রধু স্থাম্পানিতে হা)পানিতে কর ০০ থাক লে প্রীদাবন্দ্র यानव उस्मितः खाला थ्रम (घ): एक कान्यः [व्याख्यम् ७७०, १६०] न्यामिक विक्रम अविद्याप ०० ग्रायल वर्ष हे स्थि। ७८/ क्राप्टि हिरोहिंग क्रिंगिशिव कार आ गां रे ক) গ্রাঘননি D De al ग जिलार्ट द्य) लाकप्रति हुउंठ: (य) वाभागः [कालहात ३८] (अर्थिक्ष वा राष्ट्र)-(अमिकतामिक लाकश्वीत वर्ण क्यं मा (श्री (क्रा क्ष्मार्म वा अन्तर (नी स्रिकतानिष्ठ कार्य नम्। pr/ Haqua त्वं वर्षात्रियणाला व्याप व्याप प्राप्त (प्राण गांग मां) ক) খ্রাপুনা भ) सान्तेला विद्येला न) गार्येपा হ্রা) মার্যমুনা दुउष: (ग्रे) -वाभा: [जायसम वने, ६०] यस्त्रीता साम्हिता अमां स्मार्थ जारे (ग) उत्तरिक। कं अर्विसे दुम्काल (म अस्ति स्था साम का राजा झल्ला, ब्राय्नेना, भारतेना, जियी 3 शारी दूता

क्रीक्री: व्याष्ट्रश्य ६९ क)। अर्त्रे(णंक दिक्त र्राप्तिक वर्णाट क्रांकि। ८६/(कार आला क्रियाहिक कुर्याहिक प्रिंश पिष्ट म्याज মাহাম্য ক(ব ; की क्य को अपि को भिष्म यो अपि दुउव: (न्जर) क्राय्या: व्यावस्थान ३८८ क) यम थानाम भारक आर्यं महिक आर्यं महिक व्याप्त मिल हिल हो हो हो हो है ম) প্রা পান্য শাহকে হার্ট প্রার্থ ও (মারে মেও ফ্রারান্স করি। য়) আর্গ আন্যা সাহকে যাত্রাবৈত যহতা সঁফ্রি তানতে যাত্রান্য ছবে। 88/ क्षिण्डित्व व्यक्षीम काज्यक थ्र वार्षः क) ध्रीय्य को ध्रिद्वंप थे) पृष्याय रो) संधवं कारमः [व्यावस्य २२६] (क्रुवारे(एं) - जाक्षीय जाटमहरू सीर्याप्त वर्षा। (क) उत्तिक वात्रीत् यां शिक्ष क्षित्व वर्ष क्षेत्रीम व्यास्त मुण्यास वर्षि उर (ग्रोथरिंग्य्र सिवां ग्राहिर बाज्य खिए व्यक्ति ग्राह्ज थिए ध्राम 8¢/ थिति (स्पिष्ट सिलिप्डिये किय सिमायो प्रें क) राव्यक एति न्यादिन व्यक्ति व्यक्ति

कुरं (रा) रा) भूते (एडशेशिवं कात्र कर्ष रा) आग्रि क्यां ३ नगरियोर्वेष् मिक् रा) यकि (क्यां अल्ले मिक्स मिले क्राम्माः जित्राक्षम्य (व)

सिणिपिर्वेष प्रकारक व अविभाक अक्षंव दुर्व्यात कार्क कर्ष ।

हत्र आण्लिल्यां याण्यां (क्रांत व्याप्त स्पृत्यः

क) (मितिपिवंप ३ (क्रीपिपंक सः (ग्राभर्मेष व्यवस्री प व्यक्षे)

म्मे म्याकाव 3 स्मामारीह जाका

य) (थांचित करम सि डिस्मिशिल सैंड प्रायस्प मिक

त्र) चास्रेम जान्य (आम(परं एप) कार्यामारिक नुउव:(ख)

व्याभाः जिया निद्र २०२] .

क) (श्राध्यां ३ क्रियमाश्चिव राष्ट्राभिष्टेष व्यवस्थी प्र प्र

क्र) म्यूबा, पण्यां ३ आमार्जिय जाकी

य) यावांव त्यहंत्र (क्यामिकपाणिव द्यारत त्रेस जार्

য়) শ্রটিক

८०/ विकिश्चिक भिनाकरम् व्रथम प्रांक अप्रेम कर्मम निष्य कार्य ?

क) प्रभूग कार्टिनात किया

थ्ये हिंगुताव विज वा

ज) (रकारिक

य) लक्षेत्र कारियाम क्लिश

g39:(2L)

यान्याः विमलश्चम १५८]

यिदि सिक भिवेक सिंग का अ कर कर कर का जिल्ला जे हाभित काश्याप भिष्टे नकस्याल लियांचा भुष्टा उ नक्ष्यांचा अभित्र

80/क्ट्रमाहित द्वालित (जिए केंपकार्स चेर संववंग्र करिंग-क) (दन्तीत का उपे मे त्याप व्याउपी य) यावक्या व्याप्त ध्रम्य रा) प्यामायने वाकिमान असिन हुउवः (ह्य) व्यान्त्रभः [व्यापक्षाय ३२१] केर्साहित प्रतिक में मणकार्म वेस सरंवर्ध किर्याल व्यक्ति वा क्यानात्वरे वाष्ट्रियात भन्नि वत्न । (बर्निकप रिग्रिक चक्र व्यक्ष्मिं राज्यत्रस्थि व किन्ताम आउदी-व द्यात्रीस अस्ति प्रके सवादिक र्म। यावर्षे)। (क्रोण , तस्ति वक्र-नाम्य ३ वक्रा (कर् प्रिके वक्रें कर्म। एक्रील का उत्रे प्रता लुकीम हाराक्ष्मती मां एटि तालिका एएए हि। 89/ व्यापेमहिंग (धर्म काक्स पर्त रियापि इ क) रेबे(सरे (कास ग्रा) किरोदिकता भी इनुविकाल मिट

त्रो पुरिपत्म

दुउषः (घ)

क्रीभगरः जाक्स्रत २०४

ल्याने मालिक किय जान करिया कुर्पित (यात्र केत्रिक कर्म करिक

(म्याभारेरे 3 किरोरिकार

85 बप्तिन वय विभिन्ने यम कामिरे?

ক) অপিখ্ৰ কৃত ছোট মেলাটো প্ৰকৌ

था ख्राती थाएं हमारे

म्) क्रीलियं क्वियं अंतिक क्यारक क्यारक क्यारक

क्र) भिषां कांकरि वर्ष चारका 34: (m)

हिम् स्थान से सारफंद्रं वं यं यं अपनेत सहसंय इक प्र सरणं पाकि। क) ७० मित्र भ्रे हिट स्पि SI) 60 मिन भ) २० फिर

व्यान्याः [व्याव्यक्षण ३३८]

ज्ञाराष्ट्रं अक्षेत्र वाचं त्रिण्या स्मान्तिव आत्रीक पृथ्य अविषठ ह्यारणहुरं इति दुर्व । ह्यारण्यहरं - यव क्यानेव शहसम इति ह्यास्य रियाय यरणं णा(अ।

89/कम आक्रिंच किश प्रिमिक उत्रमांच क्र सक्षेत्र अगरा विकालाम अपेस उमेर

क) ७०-४९ ब्रिपिटे

ड्य ए- 9 सिनिटे

र्घ) - यन्

टिउवः (क)

हिकार क्यां के हिल्ल

त्रण्ये आहरत दुर्मां मित्रकूरित जात जाएगाहि राटे। कारेलारे असिव ७०-८६ सिपिन अंचर सिलक्र और ठंग । व्यागार विश यिषिक प्रमाप ००-६ ६ क्षिपिट अंग बिनाश विवालप प्रिल्ल भीच रंग। ৫०/ कंदुशाव्हिं याजे जाप्त्र या अद्यादि व्यक्षियाः भाउ (यात्र अग्रेस घटिंदिं

45) CO2 55) N2 A (IE

द्युवः (क)

क्रिक्रिय कि स्प्रति व अप्राप्ति व अप्राप्ति व अप्राप्ति व आध्य विश्व विव व्यक्षिणाः अने ७० तथः स्थाप अधिसापि N⁷3 60 211/11/1